



## अमृत धरोहर क्षमता नरिमाण योजना

**स्रोत: द हट्टि**

केंद्र सरकार 'अमृत धरोहर क्षमता नरिमाण योजना' के तहत आर्द्रभूमि पर्यटन के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण परिवर्तन की अगुवाई कर रही है।

- इस पहल की शुरुआत जून 2023 में की गई थी जिसका उद्देश्य पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील आर्द्रभूमियों, विशेष रूप से ओडिशा की चलिका झील तथा हरियाणा स्थिति सुल्तानपुर पक्षी अभयारण्य जैसे रामसर स्थलों (Ramsar sites) पर पर्यटन प्रथाओं में क्रांतिकारी परिवर्तन लाना है।

### अमृत धरोहर क्षमता नरिमाण योजना क्या है?

#### परिचय:

- 'अमृत धरोहर क्षमता नरिमाण योजना' की शुरुआत पर्यटन मंत्रालय तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की सहयोग से की गई थी।
- आर्द्रभूमि के अधिकतम उपयोग को प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय समुदायों के लिये जैवविविधता, कार्बन स्टॉक, इकोटूरिज़्म के अवसरों एवं आय सृजन को बढ़ाने के लिये इस योजना का कार्यान्वयन किया गया।
  - योजना का प्राथमिक उद्देश्य पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील आर्द्रभूमियों पर रणनीतिक रूप से उच्च मात्रा वाले पर्यटन से उच्च मूल्य वाले प्रकृतिक पर्यटन में परिवर्तन करना है।

#### उद्देश्य:

- इसका उद्देश्य संपूर्ण देश के रामसर स्थलों की प्रकृतिक पर्यटन क्षमता का उपयोग कर स्थानीय समुदायों के लिये आजीविका के अवसरों में वृद्धि करना है।

#### कार्यान्वयन:

- यह योजना विभिन्न केंद्र सरकार के मंत्रालयों और एजेंसियों, राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरणों, औपचारिक तथा अनौपचारिक संस्थानों एवं व्यक्तियों के एक नेटवर्क के साथ मिलकर एक सामान्य उद्देश्य के लिये काम करते हुए कार्यान्वयन की जा रही है।

#### पायलट प्रोजेक्ट और कौशल विकास:

- योजना के तहत 16 चिह्नित रामसर स्थलों में से पाँच को पायलट प्रोजेक्ट के लिये चुना गया है।
  - इन पायलट स्थलों में सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान (हरियाणा), भतिरकनिका मैंग्रोव (ओडिशा), चलिका झील (ओडिशा), सरिपुर (मध्य प्रदेश) और यशवंत सागर (मध्य प्रदेश) शामिल हैं।
- प्रतभागियों के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम वैकल्पिक आजीविका कार्यक्रम (Alternative Livelihood Programme - ALP) (30 घंटे/15 दिनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम) और पर्यटन नाविक प्रमाण-पत्र (पर्यटन के लिये नाविक प्रमाणन) के तहत चलाए जाते हैं।

#### नोट:

- उच्च-मूल्य आय वाले यात्री वे व्यक्ति होते हैं जो संभवतः अधिक खर्च करने वाले, लंबे समय तक रुकने वाले और लोकप्रिय पर्यटन क्षेत्रों के बाहर के स्थानों की यात्रा करने वाले होते हैं।
- प्राकृतिक पर्यटन किसी क्षेत्र के प्राकृतिक आकर्षणों, जैसे- बर्डवॉचिंग, फोटोग्राफी, स्टारगेजिंग, कैम्पिंग, लंबी पैदल यात्रा, शिकार, मछली पकड़ने और पार्कों का दौरा करने पर आधारित है।
  - प्राकृतिक पर्यटक अनुभवी पर्यटक होते हैं जो प्राकृतिक और सांस्कृतिक संसाधनों की विविधता में रुचि रखते हैं।

### रामसर साइट क्या है?

- रामसर स्थल रामसर अभिसमय के तहत अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमि है, जिसे वर्ष 1971 में [यूनेस्को](#) द्वारा स्थापित एक अंतर-सरकारी

पर्यावरण संधि 'आर्द्रभूमियों पर अभिसमय' के रूप में भी जाना जाता है और इसका नाम ईरान के रामसर शहर के नाम पर रखा गया है, जहाँ उस वर्ष सम्मेलन पर हस्ताक्षर किये गए थे।

- रामसर आर्द्रभूमि के संरक्षण और उनके संसाधनों के बुद्धिमिनीपूर्ण टिकाऊ उपयोग के संबंध में राष्ट्रीय कार्रवाई तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्रदान करता है।
- भारत की 11 नई आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल या अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों में शामिल किया गया है, इसके बाद अब देश **मौसमर स्थलों की संख्या 75** हो गई।

# रामसर अभिसमय (RAMSAR CONVENTION)

## प्रमुख तथ्य

### परिचय:

- ◆ इसे आर्द्रभूमियों पर अभिसमय के रूप में भी जाना जाता है।
- ◆ यह एक अंतर-सरकारी संधि है जिसे वर्ष **1971** में रामसर, ईरान में अपनाया गया।
- ◆ वर्ष **1975** में इसे लागू किया गया।
- ◆ ऐसी आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल घोषित किया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्त्व रखती हों।
- ◆ **विश्व का सबसे बड़ा रामसर स्थल:** पैंटानल, दक्षिण अमेरिका।

### मॉट्रेक्स रिकॉर्ड:

- ◆ वर्ष **1990** में मॉट्रेक्स (स्विटजरलैंड) में इसे अपनाया गया।
- ◆ यह उन रामसर स्थलों की पहचान करता है जिनके संरक्षण हेतु राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकता के साथ ध्यान देने की आवश्यकता है।

### आर्द्रभूमियाँ:

- ◆ आर्द्रभूमि एक ऐसा स्थान है जहाँ भूमि मौसमी अथवा स्थायी रूप से जल (खारा या मीठा/ताजा अथवा इन दोनों के बीच की स्थिति) से ढकी होती है।

- ◆ यह नदियों, दलदल, मैंग्रोव, कीचड़ युक्त भूमि, तालाबों, जलमग्न स्थान, बिलबोंग (नदी की वह शाखा जो आगे चलकर समाप्त हो गई हो), लैगून, झीलों और बाढ़ के मैदानों सहित विभिन्न रूपों में हो सकती है।

- ◆ **विश्व आर्द्रभूमि दिवस: 2** फरवरी

### भारत और रामसर अभिसमय:

- ◆ भारत में रामसर अभिसमय वर्ष **1982** में लागू हुआ।
- ◆ **रामसर स्थलों की कुल संख्या: 75**
- ◆ चिल्का झील (ओडिशा), केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान), हरिके झील (पंजाब), लोकटक झील (मणिपुर), वुलर झील (जम्मू और कश्मीर) आदि।
- ◆ **भारत में संबंधित फ्रेमवर्क**
  - ❖ आर्द्रभूमियों के संरक्षण तथा प्रबंधन हेतु पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, **1986** के प्रावधानों के तहत 'आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) अधिनियम, **2017**' को अधिसूचित किया है।
  - ❖ ये नियम आर्द्रभूमियों के प्रबंधन को विकेंद्रीकृत करते हैं तथा राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण या केंद्रशासित प्रदेश आर्द्रभूमि प्राधिकरण के गठन का प्रावधान करते हैं।

- ◆ **भारत में सबसे बड़ा रामसर स्थल:** सुंदरबन, पश्चिम बंगाल
- ◆ **भारत में सबसे छोटा रामसर स्थल:** वेम्बन्नूर आर्द्रभूमि कॉम्प्लेक्स, तमिलनाडु
- ◆ **सर्वाधिक रामसर स्थल वाला राज्य:** तमिलनाडु (14)
- ◆ **मॉट्रेक्स रिकॉर्ड में शामिल आर्द्रभूमियाँ:**
  - ❖ केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
  - ❖ लोकटक झील, मणिपुर



# Ramsar Sites

Total Sites: 75



## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????????:**

प्रश्न. “यदि वर्षावन और उष्णकटबिन्धीय वन पृथ्वी के फेफड़े हैं, तो नश्चिती ही आर्द्रभूमियाँ इसके गुर्दों की तरह काम करती हैं।” नमिनलखिति में से आर्द्रभूमियों का कौन-सा एक कार्य उपर्युक्त कथन को सर्वोत्तम रूप से परतबिबिति करता है? (2022)

- आर्द्रभूमियों के जल चक्र में सतही अपवाह, अवमृदा अंतःस्वरण और वाष्पन शामिल होते हैं।
- शैवालों से वह पोषक आधार बनता है, जसि पर मतस्य, पुरुषकवची (करशटेसिआई), मृदुकवची (मोलस्क), पक्षी, सरीसृप और स्तनधारी फलते-फूलते हैं।
- आर्द्रभूमियाँ अवसाद संतुलन और मृदा स्थरीकरण बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिताती हैं।
- जलीय पादप भारी धातुओं और पोषकों के आधिक्य को अवशोषिति कर लेते हैं।

उत्तर: (c)

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2019)

- रामसर सम्मलेन के अनुसार, भारत के राज्यक्षेत्र में सभी आर्द्रभूमिको बचाना और संरक्षिति रखना भारत सरकार के लयि अधदिशात्म्क है।
- आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नयिम, 2010 भारत सरकार ने रामसर सम्मलेन की संसतुतयियों के आधार पर बनाए थे।
- आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नयिम, 2010 में आर्द्रभूमियों के अपवाह क्षेत्र या जलग्रहण क्षेत्रों को भी सम्मलिति करते हैं जैसा की प्राधिकार द्वारा नरिधारिति कयिा गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- केवल 1 और 2
- केवल 2 और 3

- (c) केवल 3  
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/amrit-dharohar-capacity-building-scheme>

